Literacy for a Billion

Movie: Kaagaz Ke Phool
Year: 2005

Song: San San San Woh Chali Hawa
Lyricist: Kaifi Azmi

हो ...

हा हा हा
सन सन सन
वो चली हवा
झुक झूक कान में
कुछ कहा

हा हा हा
सन सन सन
वो चली हवा
झुक झूक कान में
कुछ कहा

नए अरमाँ जगे
नए तूफ़ाँ जगे
धोखे पे धोखा
खाए जिया

हा हा हा
सन सन सन
वो चली हवा
झुक झूक कान में
कुछ कहा

नए अरमाँ जगे
नए तूफ़ाँ जगे
धोखे पे धोखा
खाए जिया

हा हा हा
सन सन सन
वो चली हवा

महक गया जी
मेरा मन मेरा तन
मेरा जी जी जी जी
हाँ जी हाँ जी
लट जो तेरी लहराई

बहक गया जी
बोले दिल गले मिल
बोल मिल मिल मिल मिल
मिल मिल मिल मिल
कितनी बुरी रुत आई

पुरवैया करे दीवाना
दिल चाहे कहीं उड़ जाना
हो ...
पुरवैया करे दीवाना
दिल चाहे कहीं उड़ जाना

हो हो हो ...
सन सन सन
वो चली हवा
झुक झूक कान में
कुछ कहा

नए अरमाँ जगे

नए तूफ़ाँ जगे
धोखे पे धोखा
खाए जिया

हा हा हा
सन सन सन
वो चली हवा
ता रा री
ता रा री
ता रा री रा ...

मचल गए रे
माने ना सुने ना
माने ना ना ना ना
ना ना ना ना
लगते हैं झोंके सन सन

ज़हर चढ़े रे
ये पवन डसे री
हे ये ये ये ये ये
पवन पवन
डसती है जैसे नागन

मार डाला रे
मार डाला
पुरवैया करे मतवाला

ओ ...
मार डाला रे
मार डाला
पुरवैया करे मतवाला

हो हो हो...
सन सन सन
वो चली हवा
झुक झूक कान में
कुछ कहा

नए अरमाँ जगे
नए तूफ़ाँ जगे
धोखे पे धोखा
खाए जिया

हा हा हा
सन सन सन
वो चली हवा
झुक झूक कान में
कुछ कहा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.